24 Page Copy 1-2-1-22 Front Black

A.N. 13/18

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

5388930

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय हिंदी

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 12-3-25

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	4
2	6	20	4
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	4	30	
13	4	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	6		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 45712

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड अ

प्र० 1

+1 उत्तर (i) (अ) दो

+1 (ii) (अ) वह

+1 (iii) (स) डुमराँव में

+1 (iv) (ब) कबीर को

+1 (v) (अ) कहानी

+1 (vi) (द) मन्नू भण्डारी

+1 (vii) (अ) शिव-धनुष को खंडित देखकर

+1 (viii) (स) बादल को

+1 (ix) (अ) ब्रजभाषा

+1 (x) (अ) भँवरा

+1 (xi) (ब) तारकेश्वरनाथ

+1 (xii) (द) अज्ञेय

12

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	प्र०2	
1	उत्तर	(i) पाँच प्रकार
1		(ii) अव्ययभाव समास
1		(iii) वि उपसर्ग
1		(iv) परिमाण वाचक विशेषण
1		(v) भाववाचक संज्ञा
1		(vi) हार प्रत्यय
=6		
	प्र०3	
1	उत्तर	(i) ऋतु परिवर्तन
1		(ii) भारत में हर दो महीने बाद ऋतु परिवर्तन होता है
1		(iii) वर्षा ऋतु में तीज नागपंचमी और रक्षाबंधन आदि त्योहार आते है।
1		(iv) रक्षाबंधन का त्योहार भाई - बहिन के अटूट प्रेम का प्रतीक है।
1		(v) तीज का त्योहार वर्षा की रिमझिम में नारी के मन को उल्लसित करने के लिए मनाया जाता है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
+1	(vi)	सौभाग्य
=6		
	प्र०(4)	
+1	उत्तर (i)	मिट्टी का सौंदर्य रस
+1	(ii)	कवि पत्थर और चट्टाने तोड़ने की बात कर रहा है
+1	(iii)	झूठे बंधनों के टूट जाने पर कवि पत्थर और चट्टाने तोड़ने के लिए कहता है।
+1	(iv)	अपने मन के मैदानों पर ऊब व्याप्त है।
+1	(v)	सारे झूठे बंधनों के टूट जाने पर हम धरती को जानेंगे।
+1	(vi)	मिट्टी में एक प्रकार का रस होता है जिससे फसलें तथा पेड़ पौधों को जीवन मिलता है, यह अनउपजाऊ हो जाती है।
=6		

खण्ड - ब

प्र०(5)

उत्तर "काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एक अद्भुत परंपरा है," यह परंपरा शहनाई वादन की है क्योंकि काशी में सदियों से शहनाई वादन की प्राचीन परंपरा चली आ रही है। काशी में बिस्मिल्ला खाँ शहनाई वादन में अधिक प्रचलित है। उनका जन्म डुमरॉव में हुआ था।

(2)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र० 6
उत्तर मन्नू भंडारी ने अपनी माँ को धरती से ज्यादा धैर्यवान और सहनशील इसलिए कहा क्योंकि वह पिता के हर अन्यायपूर्ण व्यवहार को अपना भाग्य मानकर सहन कर लेती थी। वह भाग्यवादी महिला थी। वह अनपढ़ तथा सहनशील महिला थी।

2

प्र० 7
उत्तर संगतकार वह व्यक्ति होता है जो मुख्य गायक के साथ अपना स्वर मिलाता है। जिससे मुख्य गायक को अकेलापन महसूस नहीं होता है। संगतकार मुख्य गायक के गाये हुए स्वर को दुबारा गाने का प्रयास करता है। यह कविता की मूल संवेदना है।

2

प्र० 8
उत्तर 'उत्साह' कविता में निराला ने बादल को क्रांति का प्रतीक 'धराधर' का प्रतीक बताया है। बादल गरजकर क्रांति का संकेत देते हैं तथा बरसकर सूर्य से तपती हुई भूमि को अपने

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

जल से शीतल कर देते है। बादल अपने जल से पशु-पक्षियों तथा मनुष्यों को जीवन प्रदान करते है।

प्र०⑨
उत्तर बच्चा चाहे अपने पिता के साथ कितना ही भोजन करले पर परंतु उसका पेट तो माता के निवाले से ही भरता है। भोलानाथ को उसकी माता एक-एक करके निवाला देती थी। वह उसके सिर को सहलाते हुए भोजन कराती थी।

2

प्र० ⑩
उत्तर अज्ञेय के अनुसार अनुभव और अनुभूति में यह अंतर है कि अनुभूति से ही कहानी लिखी जा सकती है अनुभव से नहीं क्योंकि अनुभूति से ही हमारे अंदर के भाव और पात्र प्रकट होते है। अनुभव से सीर्फ कार्य किया जा सकता है।

2

प्र० ⑪
उत्तर अर्थ → शुरुआत करना
वाक्य में प्रयोग → शर्मा जी ने अपनी नयी दुकान का श्री गणेश किया।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

अथवा

प्र12

उत्तर (i) जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है।

1

(ii) संस्कृत व्यक्ति की संतान भले ही अपने पुर्वजों की भाँति सभ्य बन जाएँ पर वह संस्कृत नहीं कहला सकती।

1

(iii) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण का आविष्कार किया।

1

(iv) भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण से तो परिचित है ही साथ में उसे अनेक बातों का ज्ञान भी है।

1

=4

प्र13

उत्तर (i) राम - लक्ष्मण, परशुराम संवाद

1

(ii) सेवक का कार्य सेवा करना होता है न कि लड़ाई करना।

1

(iii) शिवधनुष तोड़ने वाले को परशुराम

1

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ने अपने शत्रु के समान बताया है।

(iv) राम ने परशुराम को अपना परिचय उनका ही दास बताकर दिया।

प्र० 14
उत्तर बालगोबिन भगत एक गोरे चिट्टे मंजोले कद के व्यक्ति थे उनका चेहरा हमेशा सफेद बालों से जगमगाता रहता था। वह कबीर प्रेमी थी। वह मृत्यु को आत्मा का परमात्मा से मिलन मानते है। उनकी मृत्यु उन्हीं के अनुरूप हुई - वह भजन कीर्तन करके राम को तुलसी के पत्तों से बनी बेडोल माला को फेर के सो गये और अपना देह त्याग दिया।

प्र० 15
उत्तर गोपियों ने हरि को हारिल की लकड़ी इसलिए बताया है जिस प्रकार हारिल पक्षी अपने पैरों मे लकड़ी के टुकडे को हमेशा थामे रहता है उसी प्रकार गोपियाँ भी जीवन भर कृष्ण के प्रेम मे डुबी रहना चाहती थी। लेकिन उद्धव के योग संदेश को देखकर उनकी विरहाग्नि दहक उठी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०16
उत्तर (i) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

परिचय => सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म ~~बरसाकारी~~ बंगाल के महिषादल में सन् 1899 में हुआ था। बचपन के वर्षों में ही निराला के माता पिता का स्वर्गवास हो गया था। कुछ वर्षों बाद निराला के चाचा चाची महामारी की भेंट चढ़ गये आखिर में उनकी पुत्री सरोज भी महामारी की भेंट चढ़ गयी। उसकी याद में निराला ने 'सरोज स्मृति' नामक रचना की। सन् 1961 में उनका देहावसान हो गया।

+2

रचनाएँ - अनामिका, परिमल, कुकुरमुत्ता

(ii) यतीन्द्र मिश्र

परिचय -> यतीन्द्र मिश्र का जन्म ~~बिहार जिले के मेदिनीपुर~~ उत्तरप्रदेश ~~मुजफ्फरपुर~~ ~~गाँव~~ में सन् 1903 को हुआ था। इन को हिन्दी, फारसी, संस्कृत का भरपूर ज्ञान था। यतीन्द्र मिश्र दयनीय स्थिति के कारण इनकी पढ़ाई नावी तक मेदिनीपुर में ही हुई। तथा बाद में इन्होंने कॉलेज से हिंदी में बी. ए किया। उनकी मृत्यु ~~1964~~ 1947 में हुई

+2

(4)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रचनाएँ - मिलीटरी का बूढ़ा घोड़ा, झूठा-सच आदि, कब निकलेगा सूरज आदि

प्र.(17) उत्तर लेखक ने हिरोशिमा में हुए नरसंहार के बारे में सुना वह शाम को हिरोशिमा की गलियों में घूम रहा था। तभी उसे रेडियो धर्मी किरणों में झुलसे एक पत्थर का टुकड़ा मिला उस पर एक व्यक्ति की परछाई थी। लेखक ने सोचा की जरूर कोई व्यक्ति इस पत्थर पर खड़ा होगा और रेडियोधर्मी किरणों ने इसे भाप बनाकर उड़ा दिया होगा और उसकी परछाई इस पत्थर पर ही रह गई होगी इस अर्थ में ही लेखक हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता बन गया

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र० 17
उत्तर

प्रार्थना पत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक
विद्यालय , पटना

विषय:- शैक्षणिक भ्रमण के संबंध में।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 10th का छात्र हूं। 10वीं कक्षा के सभी छात्र छात्राएँ ~~शैक्षणिक~~ भ्रमण पर जाना चाहते हैं। गत वर्ष भी विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया था। इससे हमारे ज्ञान में वृद्धि होगी तथा अनेक चीजों के इतिहास का पता चलेगा। अनेक ऐतिहासिक स्थलों को देखने से हमारे कौशल में वृद्धि होती है। इतिहास के अध्यापक को भी हमारे साथ शैक्षणिक भ्रमण पर भेजने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी
शिष्य

4

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नाम - नरेन्द्र
कक्षा - 10th

प्र० 20
उत्तर

विज्ञापन

जल संरक्षण

बढ़ते जल प्रदूषण को रोकिए तथा जल का कम से कम अपव्यय कीजिए

"जल है तो जीवन है"

4

- जल का कम उपयोग कीजिए।
- कूड़े कचरे को जल में न डालें।
- जल का सीमित उपयोग कीजिए।

नगर निगम हरिद्वार

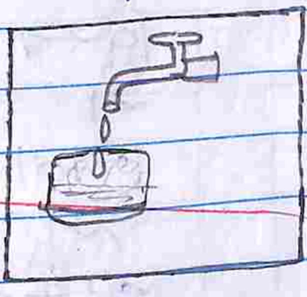

प्र० 18
उत्तर

(2) स्वतंत्रता के 70 वर्ष - क्या खोया, क्या पाया?

6

(i) प्रस्तावना ⇒ भारत देश को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से आजादी मिली थी। आजादी के बाद देश में कई प्रकार के

80/80

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बदलाव हुए। भारत देश को आजाद कराने में महात्मा गाँधी का बहुत योगदान रहा। उन्होंने आजादी प्राप्त करने के लिए कई आंदोलन किए। आंदोलनों के कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा।

(ii) स्वतंत्रता का अर्थ ⇒ स्वतंत्रता का अर्थ है कि सभी व्यक्ति इसमें स्वतंत्र होकर रह सकते है उन पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने पर भारत ने बहुत प्रगति की। विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से भारत दुसरे नंबर पर आता है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है इसमें किसी भी व्यक्ति को कोई भी धर्म अपनाने की छूट होती है। धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

(iii) स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की स्थिति ⇒ स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की स्थिति में बहुत सुधार आया है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

स्वतंत्रता के पश्चात देश में विविध प्रकार की प्रौद्योगिकी उपलब्ध हुई है। जिससे देश अधिक प्रगति करता है। देश में महिलाओं को पुरुषों के बराबर आरक्षण प्रदान किया जाता है। वर्तमान में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण है।

(iv) विकास की ओर बढ़ते कदम तथा भविष्य ⇒ वर्तमान में देश में नवीन प्रौद्योगिकी उपलब्ध हुई है। नवीन प्रौद्योगिकी के कारण लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। देश के प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी ने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचते हुए ऑनलाइन शिक्षा को महत्व दिया है। जिससे बच्चे घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं। इससे बच्चों का भविष्य उज्जवल होता है।

(v) उपसंहार ⇒ स्वतंत्रता के 70 वर्षों में देश ने बहुत चीजों तथा उपलब्धियों को प्राप्त है। भारत विश्व में उत्पादन कार्य में दूसरे नंबर पर है।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

DSEP 130/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-18/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 180/2025